RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2021-23

पिघलता हिमालय

वर्ष 38 अंक 51 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 29 मई 2023 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिय,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

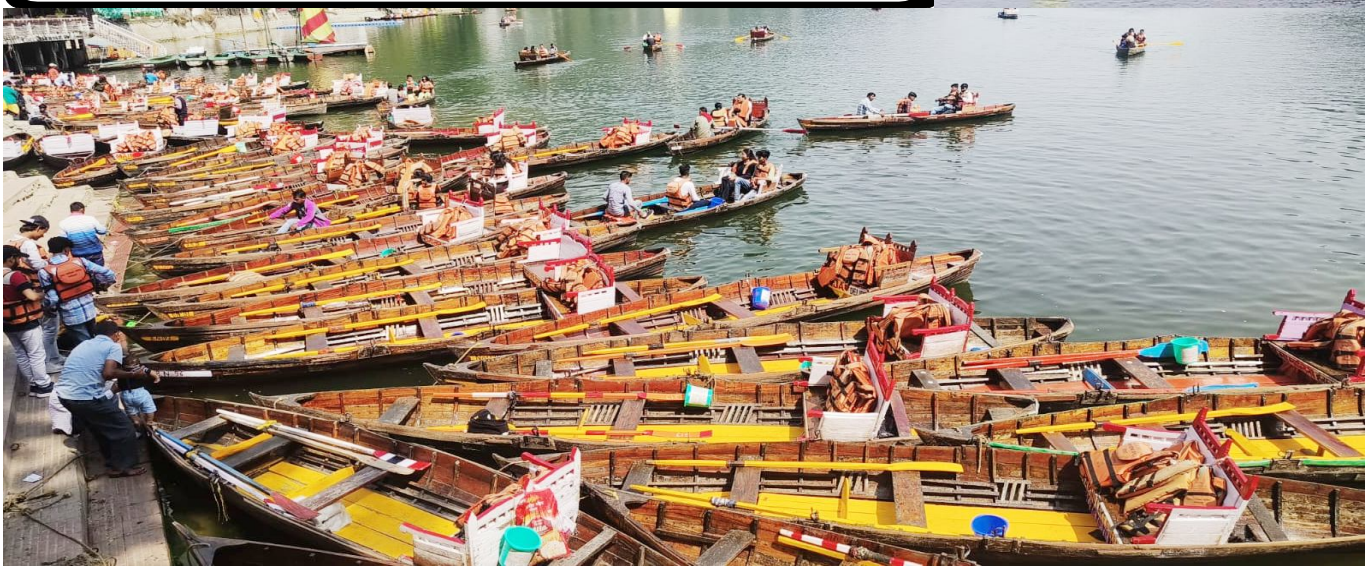

पर्यटन सीजन : ग्रीष्मावकाश पर अपने घर-गाँव

गर्मी से हांफते लोगों का रुख पहाड़ की ओर

चारधाम यात्रा की रफ्तार तेज

पूर्णागिरी मेले के साथ सिद्धबाबा दर्शन

आदिकैलाश यात्रियों का जोश

जोहार खेलोत्सव पर रहेगी बहार

नैनीताल, भीमताल, नौकुचियाताल में रेला

मसूरी पर्यटकों की पहली पसन्द बना है

कार्यालय प्रतिनिधि

ग्रीष्मकालीन यात्रा सीजन पर पहाड़ चढ़ने वालों की तायदात बढ़ती जा रही है। गर्मी से हांफते लोगों का रुख हवाखोरी के लिये पहाड़ को हो सकता है लेकिन गर्मियों की छुट्टियों पर अपनों से मिलने वालों की संख्या भी कम नहीं है। ग्रीष्म अवकाश पर अपने घर-गाँव आने वालों से खुशियां हैं। धार्मिक यात्रा के तहत चारधाम यात्रा, पूर्णागिरी यात्रा के लिये श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी हुई है।

चारधाम यात्रा में लगातार श्रद्धालुओं का आना जारी है। अभी तक रिकार्ड 33 लाख यात्री यात्रा पंजीकरण करवा चुके हैं। गोपेश्वर स्थित गोपीनाथ मन्दिर से चतुर्थ केदार भगवान रुद्रनाथ की उत्सव डोली रुद्रनाथ थाम पहुँची। यहाँ कपाट खुलने का भव्य आयोजन हुआ। सिखों के प्रमुख तीर्थ हेमकुण्ड साहिब की यात्रा में भी लगातार आवत है। इस बार मौसम और रास्ते में रुकावट के बावजूद आदि कैलास जाने वाले यात्रियों में जोश बना रहा है। धार्मिक यात्रा के लिये पूर्णागिरी मेला अपने चरम पर दिखाई दे रहा है। पूर्णागिरी और नेपाल सीमा पर सिद्धबाबा मन्दिर दर्शन के लिये यात्रियों की टोली आ रही हैं और रात से ही दर्शन के लिये लाइन लग रही है। पातालभुवनेश्वर हाटकालिका, चितई गोलज्यू मन्दिर में भी लाइनें लग रही हैं।

पर्यटकों की पहली पसन्द मसूरी बना हुआ है। सर्वाधिक भीड़ मसूरी में दर्ज की गई है। नैनीताल, भीमताल, नौकुचियाताल आने वालों का भी रेला लगा है। पहाड़ परिक्रमा पर आने वाले कौसानी, चकौड़ी, मुनस्यारी की ओर रुख कर रहे हैं। जोहार क्लब के ग्रीष्म कालीन खेलकूद भी आकर्षण का आकर्षण का केन्द्र हैं। ये तो रही पहाड़ में पर्यटन की बात। ग्रीष्मावकाश में पहाड़ से बाहर घूमने जाने वालों की भी कमी नहीं है। मथुरा, वृन्दावन, मुम्मई, काठमाण्डू इनकी पहली पसन्द है। नई ट्रेनों के संचालन से भी आवागमन की सुविधा बेहतर हुई है। इसके अलावा विदेश यात्रा संख्या भी बढ़ी है।

कर्नाटक की जीत को संजीवनी मान कांग्रेस नगर निकाय चुनाव के लिये कमर कसने लगी

ध्रुवीकरण की राजनीति दरकिनार

नारायण बोहरा लगतातार अभियान

पूर्व सैनिक संगठन भी तैयारी में

पि.हि. प्रतिनिधि

कर्नाटक में जीत के बाद कांग्रेस में रस दिखाई देने लगा है। कर्नाटक में पार्टी की जीत के बाद पूरे उत्तराखण्ड में कांग्रेस ने मिठाई बांटी और निकाय चुनाव तैयारी में जुट चुक है। उत्तराखण्ड में भाजपा की चलती गाड़ी में कांग्रेस को कितनी सीट मिलेंगी यह कहना कठिन है लेकिन कर्नाटक की जीत इसके लिये संजीवनी से कम नहीं।

कांग्रेस के हर छोटे-बड़े नेता ने अपने बयान में कहा है कि कर्नाटक ने ध्रुवीकरण की राजनीति को दरकिनार किया है। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, पार्टी अध्यक्ष करना माहरा इसे लोकतन्त्र की जीत बता रहे हैं। दूसरी ओर भाजपा संगठन मजबूती के साथ अन्दरखाने विस्तार में है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दौरा करवाकर जनता के बीच माहौल बनाने का इन्तजाम भी किया जा चुका है।

2024 के लोकसभा चुनाव और निकाय चुनाव के लिये जनता का रुख अभी से तय नहीं किया जा सकता है लेकिन नेता और उनकी पार्टियां सक्रिय होने लगी हैं। हल्द्वानी, रुद्रपुर, काशीपुर जैसे नगर निगमों के लिये पार्षद स्तर पर दौड़भाग दिखाई दे रही है। गंगोलीहाट की राजनीति में सक्रिय युवा नारायण सिंह बोहरा इस बार पूरी ताकत दिखाने के मूड में हैं। पिछली बार नगर पंचायत चुनाव में श्रीमती बोहरा ने खासी टक्कर दी थी। वह तभी से लगातार कांग्रेस की ओर से अभियान में लगे हैं। भाजपा की ओर से पूर्व ब्लाक प्रमुख ललित पाठक पर दारोमदार होगा कि वह किस रणनीति को प्राथमिकता देंगे। बेरीनाग नगर पंचायत में इस बार डीएल साह ने एकतरफा अभियान चला रखा है और उनके नाम की बहुत चर्चा है जबकि कांग्रेस की ओर से नगर पंचायत अध्यक्ष हेम पन्त की रणनीति पर सबका ध्यान होगा। कपकोट, कालाढूंगी, लालकुआ, चिलियानौला, द्वाराहाट से भी आगामी चुनावों के लिये प्रचार-रणनीति की सूचना मिली है। नैनीताल और भीमताल में भाजपा कांग्रेस के अलावा अन्य पार्टियों के नाम भी खुलकर आने लगे हैं। आम आदमी पार्टी का पहले से ऐलान है कि वह अपने बूते लड़ेगी।

खटीमा में पूर्व सैनिक संगठन की ओर से नगर पालिका व ग्राम पंचायत चुनाव में पूर्व सैनिकों को उतारने की तैयारी तेज हो गई है। इसके लिये खटीमा में वार्ड सदस्यों तक के नामों की चर्चा होने लगी है। इससे सैनिक बाहुल्य वार्ड व ग्राम पंचातों में पूर्व सैनिक उत्साहित हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

गड्ढा मुक्त सड़कें

प्रदेश सरकार द्वारा गड्ढा मुक्त सड़क अभियान अच्छी बात है। पैच रिपोर्टिंग एप के माध्यम से लोक निर्माण विभाग को सूचना मिलते ही सड़कों के गड्ढों को भरा जाएगा। इसका शुभारम्भ सीएम किया और और कहा कोई भी व्यक्ति अपने आसपास सड़कों पर पाए जाने वाले गड्ढों की फोटो खींचकर पूरी जानकारी के साथ अपनी शिकायत दर्ज कर सकता है। शिकायतकर्ता को ऐप के माध्यम से दर्ज शिकायत पर हुई कार्रवाई के विषय में भी चित्र सहित जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी कहते हैं कि इस एप के माध्यम से प्रदेश की सड़कों को गड्ढा मुक्त करने में काफी मदद मिलेगी। उन्होंने लोनिवि के अधिकारियों को निर्देश दिये कि एप के माध्यम से शिकायतकर्ता द्वारा सड़क पर गड्ढे सम्बन्धित जो शिकायत की जायेगी, उसका समाधान एक सप्ताह के अन्दर कराया जाए। इसके लिये अधिकारियों की जिम्मेदारी तय हो। विभाग के उच्चाधिकारी इसकी नियमित मॉनिटरिंग करें।

लोनिवि द्वारा इस समस्या के समाधान के लिए पैच रिपोर्टिंग एप विकसित किया गया है। प्रदेश में सड़कों को गड्ढा मुक्त करने में सहयोग करने वाला यह मोबाइल एप लोनिवि द्वारा सुगम सुरक्षित यात्रा हेतु सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाए जाने और आम जन से परस्पर सम्बाद बनाये रखने के लिए विकसित किया गया है। इस एप के द्वारा गड्ढे वाले स्थान की लाकेशन की सूचना अक्षांश, देशान्तर द्वारा स्वतः ही प्रदर्शित होगी।

शासन-प्रशासन के इस कार्य को सराहनीय कहा जायेगा क्योंकि अक्सर देखा गया है सड़कों पर गड्ढे होने से खतरे की आशंका रहती है और कहने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं होती थी। अब यदि लिये गये निर्णय के अनुसार कार्य होने लगे तो यातायात सुविधा बढ़ेगी और खतरे भी टलेंगे।

शादी का कार्ड वायरल

पौड़ी गढ़वाल के पूर्व विधायक और नगर पालिका अध्यक्ष भाजपा नेता यशपाल बेनाम की सुपुत्री मोनिका का विवाह ग्राम पुरेवाज जिला अमेठी (यूपी) निवासी मो.रईस के सुपुत्र मोनिस से होने का कार्ड इन दिनों सोशल मीडिया पर बेहिसाब वायरल हो रहा है। यह कोई नई बात नहीं है कि अपनी पसन्द की बात और विवाह में चर्चा न होती रही हो। इस प्रकार के कई उदाहरण पहले से रहे हैं। दरअसल हो यह गया है कि वर्तमान में हर हाथ मोबाइल और सन्देश इधर से उधर भेजना सुगम होने से बात तुरन्त फैल रही है। बताया जाता है कि मोनिका और मोनिस रुड़की में साथ-साथ इंजिनियरिंग की पढ़ाई करते थे। दोनों परिवारों की सहमति से विवाह हिन्दू रीति से होना तय है लेकिन जाति-धर्म की दीवारों में जकड़ा समाज एकदम से इस प्रकार की बातें पचा नहीं पाता है। यही कारण है कि कई गुस्से में भी होंगे। यह जानते हुए भी कि दो परिवारों को आपस में दिक्कत नहीं है लेकिन इस निर्णय को राजनीतिक रंग देने तक का प्रयास हुआ है। इस प्रकार के मामलों में बहुत ही सूझ दिखानी चाहिये। अपनी जिद और गुस्से से किसी के घरेलू मामले को आग की तरह फैलाना ठीक नहीं।

इस प्रकार के कदम उठाने वाले जब अपने से तय कर चुके हैं और उनके सयाने उसमें सहयोगी हैं तो और भी ज्यादा चुप रहना बेहतर है। यह किसी का निजी मामला भी है। यह भटका या बहलाया हुआ खेल नहीं बल्कि दो पढ़े-लिखे युवाओं का निर्णय है।

पीएम नरेन्द्र मोदी से उम्मीद लगाए हुए है भाजपा

उत्तराखण्ड में भाजपा पूरी तहत प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी से उम्मीद लगाए हुए है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी भी पीएम की फार्मूले को लागू करते हुए प्रयोग कर रहे हैं। ऐसे में यह साफ दिखाई दे रहा है कि प्रदेश में चुनाव के समय धर्म की हवा रहेगी। भाजपा संगठन अपने अभियान में सफल होते हुए युवाओं को अपने साथ जोड़ने में लगी है।

कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस के हाथ पिटने के बाद भाजपा और भी ज्यादा सतर्कता से उन बिन्दुओं पर ध्यान दे रही है जिससे उन्हें लाभ हो। इसके लिये भाजपा के राष्ट्रव्यापी जनसम्पर्क अभियान में प्रधानमंत्री मोदी का उत्तराखण्ड दौरा भी शामिल है। भाजपा सीमान्त से अपना सन्देश चारों ओर दे इसके लिये रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट और मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने गुंजी से इस अभियान को गति देने का प्रस्ताव रखा। इसके अलावा बागेश्वर उपचुनाव को साधना भी भाजपा के लिये जरूरी है।

राजनीति का सत्य समझ से परे है। धारचूला विधायक हरीश धामी ने भी मुख्यमंत्री की जमकर प्रशंसा की है जिसकी राजनीतिक गलियारों में चर्चा है। कुल मिलाकर 2024 के लिये ढोल दमाऊ बजने लगे हैं।

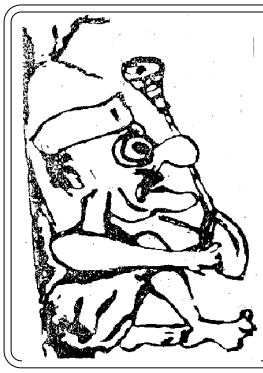

फसक

दाज्यू, बिना अपडेट के अब सबकुछ बेकार ठैरा

ऑनलाइन के चक्कर में बड़े-बड़े फुस्स हो चुके हैं बल

दाज्यू, कलजुग की कटाकाट तेज हो चुकी है। गंगोलीहाट के बुरसम गाँव में अपनी पत्नी सहित चार को मौत के घाट उतारने वाले सन्तोष राम ने फांसी लगाकर अपनी लीला समाप्त की। छोलिया नृत्य करने वाला सन्तोष ऐसी रक्षस्योव करेगा किसी ने सोचा भी नहीं था। धारचूला एसबीआई शाखा प्रबन्धक मोहम्मद ओवेश पर पेट्रोल डालकर आग लगाने वाला सुरक्षा गार्ड दीपक क्षेत्री अब घुट-घुट कर ही समय काट रहा है। बेचारे मैनेजर की दिल्ली अस्पताल में में मौत हो गई। आवेश में आकर फटक मारने वाले बहुत नुकसान करते हैं। चम्पावत में कथावाचक ने पूर्व प्रेमिका की गला घोटकर हत्या कर दी। डीडीहाट के घोरपट्टा में गहनों के लिए बुजुर्ग को मार डाला। लोहाघाट के दशलेख में धारदार हथियार से शिक्षक पर हमला कर दिया। तराई में तो आए दिन ऐसा होता ही था अब पहाड़ में भी खूब होने लगा है, दाज्यू। बाजपुर के गोरू गाँव में रंजिश के चलते दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। सात घायल इलाज करवा रहे हैं।

अपडेट का जमाना हुआ। बिना अपडेट के अब सबकुछ बेकार ठैरा। अब दून से गोवा के लिस सीधी उड़ान की व्यवस्था हो चुकी है। दाज्यू, जमाने में कटाकाट होती रहेगी, आंकड़े दिखते रहने चाहिये। रुद्रपुर में राइस मिल वाले बौई रहे हैं बल। राइस मिलरों का सरकार पर 1500 करोड़ का बकाया बताया जा रहा है। लेन-देन का मामला ठैरा। ऑनलाइन के चक्कर में बड़े-बड़े फुस्स हो चुके हैं बल। अब देख लो, एमबीपीजी कालेज हल्द्वानी में शिक्षकों की निगरानी के लिये मुख्य गेट पर भी रजिस्टर रख दिया गया है। दाज्यू, सुना है बायोमैट्रिक मशीन में सुबह शाम हाजिरी तो लग जाती है लेकिन दिन भर मास्साब कालेज रहते हैं या बाजार/घर चले जाते हैं यह जाँचने के लिये रजिस्टर रखा है। मामला बड़ा ठैरा, अप्टुडेट रखना जरूरी हुआ।

जी-20 का जोर चल रहा ठैरा आजकल। नरेन्द्रनगर में सम्मेलन को लेकर यातायात व्यवस्था उस अनुसार बनानी पड़ी बल। जिसके कारण हुए श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय की परीक्षाएं स्थगित कर दी गई। जी-20 जरूरी ठैरा। मेहमानों का स्वागत, भाषण, रेलमपेल, झकमक, रिमझिम सब देखने को मिलने वाला हुआ इसमें। रामनगर में भी तो जोरदार हुआ था। काफी कुछ निपट जाने वाला ठैरा ऐसे आयोजनों में। ठेके में बड़े काम, बड़ा नाम, बड़ा फायदा होता है बल। ऐसा मौका बार-बार नहीं मिलता।

दाज्यू, और ही और हो रही ठैरी। काशीपुर के गोविन्द बल्लभ पन्त इण्टर कालेज की प्रबन्ध समिति द्वारा हटाए गए प्रधानचार्य अजय शंकर कौशिक ने प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष बिमला गुड़िया सहित चार लोगों के खिलाफ बीस लाख रुपये की रंगदारी का आरोप लगाया है। दाज्यू, जमाना बहुत खराब है। कौन क्या करने जा रहा है, किसको घेर रहा है, किसको उलझा रहा है, किसको उधेड़ा रहा समझना मुश्किल है। मई-जून की गर्मी है और कई सरकारी साइटों में काम नहीं होने से दिक्कत हो रही है। सबकुछ तो आनलाइन हो गया ठैरा। रजिस्टार सोसाइटी आफिस वाले भी अकड़-बकड़ कर रहे हैं बल। मोहन बाबू कह रहे हैं- 'साहब की सुनता ही कौन है आजकल। संस्था रजिस्ट्रेशन के लिये लड़खड़ाते पहुँचने वालों को ऑफलाइन की आदत है जब चुग्गा डालकर काम हो जाता था। ऑनलाइन का खौफ ही इतना ज्यादा है कि बड़े-बूढ़े पहले ही हाथ जोड़ देते हैं। अपने गाँव के मन्दिर और रामलीला कमेटी का रजिस्ट्रेशन भी इस चक्कर में नहीं हो पा रहा है।'

दाज्यू, मोहन बाबू सद्बुद्धि आदमी हुए उन्हें क्या पता सिर्फ कुड़बुद्धियों की चल रही है। सितारगंज में परचून की दुकान से 17 हजार के नशीले कैप्सूल पकड़े गये। काशीपुर में एक पत्नी ने भाई संग अपने पति से रंगदारी मांग ली बल। साजिश रचने वाले पुलिस ने पकड़ लिये हैं। कुमाऊँ विश्वविद्यालय में नैक की टीम ने निरीक्षण किया। बैठक में नैक पीयर टीम के चैयरमैन ने कहा- 'शिक्षक तय करें विश्वविद्यालय को और खुद को कहाँ तक ले जायेंगे।' दाज्यू, नैन के बहाने मकड़ी के जाले निकल जाने वाले ठैरे। बांकी आप जान ही रहे हैं क्या होता होगा। आना-जाना-रहना-खाना-घूमना-मंत्रणा-विदाई। इस बहाने हांक-हांक कर कुछ काम होता दिखाई तो देता है। अपडेट होने के लिये यह जरूरी भी ठैरा। कैबिनेट का फैसला सबका विकास है। अब से दो विषय में फेल होने पर छात्रों को मौका मिलेगा बल। -तुम्हारा भुली झकरुवा

हचलच

नये जिले चुनाव से पहले बन सकते हैं

पि.हि.प्रतिनिधि

सीएम पुष्कर धामी द्वारा प्रदेश में नये जिलों के गठन की बात कहते हुए फिर से हलचल मचाई है। दरअसल लम्बे समय से डीडीहाट, रानीखेत, यमुनोत्री, कोटद्वार, गंगावली इत्यादि जिलों को लेकर आवाज उठ रही है। ऊपर से कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के बाद भाजपा आत्ममंथन की स्थिति में है। अपनी ही पुरानी घोषणाओं को साकार करने के लिये किसी शुभ अवसर पर नये जिलों की घोषणा होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

बताते चलें कि 15 अगस्त 2011 को भाजपा की तत्कालीन सरकार के मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल ने डीडीहाट, रानीखेत, कोटद्वारा और यमुनोत्री को जिला बनाने की घोषणा की थी परन्तु नई सरकार आते ही पूरा मामला ठण्डा पड़ गया। इसके बार से बार-बार जिलों की मांग जोर पकड़ती रही। खटीमा, काशीपुर जिले बनाने के लिये भी संघर्ष समितियां आज तक सक्रिय हैं। रानीखेत और डीडीहाट में तो जिला घोषणा होने के बाद मिष्ठान तक वितरण हो गया था लेकिन जिले न बनाए जाने पर लोगों ने सड़क पर प्रदर्शन भी किया। गंगोलीहाट बेरीनाग को मिलाकर गंगावली जिले की मांग का आन्दोलन भी लम्बा खिंचा है। काशीपुर, कोटद्वार जिले की मांग को लेकर संगठन बराबर आवाज उठा रहे हैं

वर्तमान हालातों में माना जा रहा है कि धामी सरकार नये जिलों का सपना पूरा कर सकती है ताकि प्रदेश वासियों को छोटी-छोटी इकाई बनाकर सुख किया जाए और लोगों में सरकार पर भरोसा बना रहे।

थराली जिले की मांग मुखर

ग्वालदम। थराली को जिला बनाए जाने की मांग एक बार फिर मुखर हुई है। इसके लिये चिन्हित राज्य आन्दोलनकारी एवं अधिवक्ताओं ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। कहा है राज्य में जिलों के पुनर्गठन की स्थिति में थराली को वरियता के आधार पर जिला बनाया जाए अन्यथा आन्दोलन किया जायेगा। ज्ञापन में भूपाल गुसाईं, जय सिंह बिष्ट, नन्दन सिंह रावत, रमेश थपलियाल, विरेन्द्र नेगी, हरपाल फर्स्वाण, देवेन्द्र नेगी के हस्ताक्षर हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

चिन्ता

लैंडस्लाइड की बढ़ती घटनाएं

डॉ.हरीश चन्द्र अन्डोला

उत्तराखण्ड में प्राकृतिक आपदाएं कोई नई बात नहीं है, लेकिन जिस तेजी से पिछले कुछ दिनों में लैंडस्लाइड की घटनाएं देखने को मिली हैं। वो तस्वीरें बेहद चिन्ताजनक हैं।

ऐसी तस्वीरें सामने आ रही हैं, जिनको देखकर डर लगता है। ये डरावनी तस्वीरें उत्तराखण्ड के लगभग हर कोने से आ रही हैं। सवाल यह है कि आखिर इन दरकते पहाड़ों का राज क्या है? क्यों ये पहाड़ भरभराकर गिर रहे हैं? ऐसा क्या है कि पूरे के पूरे पहाड़ कुछ ही सेकेंड में बिखर रहे हैं? बीते कुछ वर्षों में हम अक्सर उत्तराखण्ड के पहाड़ों के दरकने, भयावह बाढ़ आने या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा के बारे में सुनने आ रहे हैं। बीते एक दशक में उत्तराखण्ड में पहाड़ों के टूटने की घटना अचानक बढ़ गई है और अब हाल ही में जोशीमठ जैसे प्रमुख धार्मिक स्थल के धांसने की खबर ने सभी को चिन्ता में ला दिया था।

फरवरी 2021 में उत्तराखण्ड के चमोली जिले में ग्लेशियर टूटने के बाद भारी तबाही हुई थी और इस त्रासदी में कई लोगों की जान चली गई थी। तब ग्लेशियर टूटने के कारण तपोवन में एनटीपीसी की टनल में कई मजदूर फंस गए थे। वहीं कुछ पर्यावरणविदों का कहना है कि साल 2021 में चमोली जिले में रौंति पहाड़ का 550 मीटर चौड़ा हिस्सा टूट गया था इसके चलते ही तपोवन घाटी में काफी तबाही हुई। दुनिया भर के पहाड़ों में ऐसी घटनाओं का होना सामान्य और प्राकृतिक बात है। इसमें हैरान नहीं होना चाहिए। धरती के दूरदराज के इलाकों में लगातार पर्वतों के टूटने की प्रक्रिया चलती रहती है लेकिन बीते कुछ सालों से इस प्रक्रिया में काफी तेजी आई है। पहाड़ी इलाकों में हवाएं भी की तेज चलती है और सैकड़ों सालों में हवा के तेज थपेड़ों के कारण भी चटानें कमजोर होती जाती है और पहाड़ की चट्टान अन्दर से धीरे-धीरे कमजोर होती जाती है और इस कारण से पहाड़ टूटने लगते हैं। पहाड़ों में कमजोर करने में भूगर्भीय हलचल भी अहम भूमिका निभाती है। अब हुए कई शोध में पता चला है कि हिमालय पर्वत की ऊँचाई लगातार बढ़ते जा रही हैं और उत्तर भारत के पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार ही भूगर्भीय हलचल होती रहती है, जिसके कारण पहाड़ों की चट्टानें दरकने लगती है। उत्तराखण्ड में पहाड़ों के टूटने या गिरने के ये तो प्राकृतिक कारण थे, लेकिन बीते एक दशक में पहाड़ी इलाकों में मानवीय गतिविधि बढ़ने के कारण भी पहाड़ों के टूटने की प्रक्रिया में तेजी आई है। पर्यावरणविदों के मुताबिक लगातार तेज हवा, धूप, बारिश, भूगर्भीय हलचल के कारण पहाड़ों में जो दरारें बनने लगती है। उनमें रॉक फॉरमेशन या सेडिमेंट फारमेशन बनने लगता है और एक समय ऐसा आता है जब पहाड़ टूट जाता है। उत्तराखण्ड के चमोली या अन्य जिलों में लगातार जो पहाड़ों के टूटने का क्रम जारी है, उसके पीछे दरअसल मानवीय गतिविधियां ही जिम्मेदार हैं। पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रहे निर्माण कार्यों, विशाल ड्रिल मशीन चलाने व खनन करने के लिए पहाड़ों की चट्टानों की बीच में स्थित रॉक फॉरमेशन या सेडिमेंट फारमेशन लगातार कमजोर हो रहा है। एक सीमा के बाद यह तनाव झेल नहीं पाता है और पहाड़ टूट कर गिर जाता है। निर्जन इलाकों में इंसान जैसे जैसे घुसेगा, वैसे वैसे ऐसी आपदाओं में बढ़ोतरी होती जाएगी। पर्यावरण के लिहाज से यह राज्य बहुत ही नाजुक है. भूस्खलन, भूधंसाव, बाढ़, बादल फटने व भूकम्प जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कहर से यहाँ तबाही होती रहती रही है। बावजूद इसके यहाँ मीलों लम्बी सुरंग आधारित जलविद्युत परियोजनाओं का निर्माण हो रहा है, सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि पहाड़ों की टो कटिंग और ज्यादा बारिश से स्थितियां खतरनाक हो रही हैं। पहाड़ों पर लगातार हो रहे निर्माण के कारण पहाड़ों का पूरा गुरुत्वाकर्षण केन्द्र डिस्टर्ब हो गया है। कहा गया है कि पहाड़ तभी टिका रह सकता है, जब उसका गुरुत्वाकर्षण केन्द्र स्थिर हो। पहाड़ों पर बेवजह बोझ और तोड़फोड़ से पहाड़ को स्थिर रखने वाला गुरुत्वाकर्षण केन्द्र अपनी जगह छोड़ देता है। नतीजा पहाड़ खिसकने लगते हैं, लैंडस्लाइड की घटनाएं होती हैं। उत्तराखण्ड हिमाचल में भूस्खलन और पहाड़ों के खिसकने की घटनाएं बढ़ रही हैं। आने वाले दिनों में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी। चाहे जोशीमठ हो, नैनीताल, मुनस्यारी, धारचूला या व्यास घाटी का गर्ब्यांग कस्बा, इन सब जगहों पर जो कुछ हो रहा है, वह संकेत कर रहा है कि प्रकृति से छेड़छाड़ बन्द होनी चाहिए।

ज्योतिष की बातें - 128

30 मई 2023 को शुक्र शत्रुराशि कर्क में प्रवेश करेगा। वहाँ पर मंगल से युति भी रहेगी, अन्य कोई शुभ दृष्टि भी नहीं होगी। अत: कुल मिलाकर शुक्र निर्बल रहेगा। शुक्र छठवें, सातवें और दसवें स्थान पर अशुभ होता है, अन्य सभी स्थानों पर शुभ परिणाम देता है, साथ ही मकर व कुम्भ राशियों के लिए शुक्र योगकारक होता है। अत: अगले 38 दिन शुक्र दाम्पत्य जीवन, प्रेम प्रकरण आदि अपने कारक विषयों में तुला राशि के लिए ठीक नहीं रहेगा। अन्य सभी राशियों के लिए सामान्य फलदायक मानना चाहिए।

गंगा दशहरा- ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष पूर्वाह्नव्यापिनी दशमी तिथि को गंगा दशहरा का पर्व मनाया जाता है। तदनुसार मंगलवार, 30 मई 2023 को गंगास्नान, गंगापूजन करके उल्लास पूर्वक गंगा दशहरा का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन भगीरथ की कठिन तपस्या से माँ गंगा का स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरण हुआ था। सैकड़ों योजन दूर से भी यदि कोई मनुष्य गंगा गंगा पुकारता है तो उसके समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं और अन्त में विष्णु लोक को प्राप्त होता है। यथा-

गंगागंगेति यो ब्रूयाद्योजनानां शतैरपि ।
मुच्यते सर्वपापेभ्यो विष्णुलोकं स गच्छति ।।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद

सम्यक विचार- 19

अपने पैरों पर खड़े होना

आजकल यह मुहावरा 'अपने पैरों पर खड़े होना' बहुत प्रचलन में है। इसका भावार्थ यही है कि एक दूसरे पर निर्भर न रहा जाए। पूर्णत: स्वतन्त्र रूप से जीवन निर्वाह किया जाए। यह सम्भव नहीं है क्योंकि प्रकृति में ही कोई भी वस्तु पूर्ण स्वतन्त्र नहीं है। सभी तत्व एक दूसरे पर निर्भर हैं। सभी नौ ग्रह एक दूसरे पर निर्भर हैं। एक भी ग्रह यदि छिटककर कहीं चला जाए तो विध्वंस हो जाएगा। पृथ्वी पर पांचों तत्व एक दूसरे पर निर्भर है एक भी तत्व में कोई न्यूनता या अधिकता आ जाए तो पृथ्वी नष्ट हो जाएगी। सभी 84 लाख योनियाँ एक दूसरे पर निर्भर हैं। यदि कुछ योनियाँ नष्ट हो जाएगीं तो मनुष्य का भी अस्तित्व कठिन हो जाएगा।

जब तक बेटा अपने पिता के अधीन रहता है तभी तक सुखी महसूस करता है। पिता से स्वतन्त्र हो जाने पर तो चिन्ता में डूबा रहता है। लड़कियां अपने पैरों पर इसलिए खड़ा होना चाहती हैं कि वे स्वयं ही कमाई कर सकें और स्वयं ही खा सकें, पति पर निर्भर न रहना पड़े। जबकि वास्तव में पति पत्नी दोनों ही एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं, पूरक होते हैं, स्वतन्त्र नहीं होते हैं। प्राय: उन्हीं परिवारों में खुशी देखी जाती है जहाँ पर कोई एक ही अर्थोपार्जन करता है। जहाँ दोनों कमाई करते हैं, अपना-अपना कमाते हैं और अपना-अपना खाते हैं वे प्राय: दुखी देखे जाते हैं। इसलिए अपने पैरों पर खड़े होने की न सोचें। एक दूसरे की सेवा करते हुए अपनों पर निर्भर रहने में ही आनन्द है ।

-सरल

कुमाउंनी भजन

अम्बे माता

मुखड़ा- ऊँच- नीचा डांड्डू कै करी पार।
मैं आयूं मैया त्यर द्वार मा।।
दर्शन तू दी जा इक बार।
ऐजा मैया बैठि शेर मा।।
कोरस- ऐजा मैया बैठि शेर मा, ऐजा मैया बैठि शेर मा,
दर्शन तू दी जा इक बार, म्येरी मैया बैठि शेर मा।।
अन्तरा- दूर- दूरां बै मैया भक्ता ऐ रैयी।
कोई झांवरी, कोई बिछिया ल्यै रयीं।।
त्यर खुटा में पायल मैं पैरूल।
तू ऐजा मैया बैठि शेर मा।।
अन्तरा- दूर- दूरां बै मैया भक्ता ऐ रैयी।
कोई लंहगा, कोई साड़ी ल्यै रैयी।।
चुन्नी त्वैकैणी मैं उड़ूंल।
तू ऐजा मैया बैठि शेर मा ।।
अन्तरा - दूर- दूरां बै मैया भक्ता ऐ रैयी।
कोई हंसुली, कोई चूड़ी ल्यै रयीं।।
त्यर हाथा मेहंदी मैं लगूंल।
तू ऐजा मैया बैठि शेर मा ।।
अन्तरा- दूर- दूरां बै मैया भक्ता ऐ रैयी।
कोई हरूवा, कोई झुमकी ल्यै रैंयी।।
नथुलि त्वै कैणी मैं पैरूंल।
तू ऐजा मैया बैठि शेर मा।।
अंतरा- दूर-दूरां बै मैया भक्ता ऐ रैंयी।
कोई टिकुली, कोई मुकुट ल्यै रैंयी।।
ल्यांयू मैं बिन्दी-इंगूर।
तू ऐजा मैया बैठि शेर मा।।
कोरस- ऐजा मैया बैठि शेर मा, ऐजा मैया बैठि शेर मा।
दर्शन तू दी जा इक बार, म्येरी मैया बैठि शेर मा।।

-मंजू बोहरा बिष्ट
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश

पिघलता हिमालय के सम्मानित सदस्य-

मिशन की पत्रकारिता चुनौतीपूर्ण कार्य है। ऐसे में अपने सम्मानित सदस्यों से निवेदन है कि अधिकाधिक सहयोग करेगे। पिघलता हिमालय की नाममात्र के लिये वार्षिक सदस्यता 200/- आजीवन सदस्यता- 2000/- है। इसके अतिरिक्त अपने सन्देश/विज्ञापन के रूप में सहयोग दिया जा सकता है। सहयोग राशि सीधे बैंक में भेजने वाले राशि जमा करते ही उसकी सूचना हमारे मो0न0 पर भी दें ताकि मान्य हो सके।

स्थानान्तरण होने की स्थिति में सदस्यगण अपना पता बदलने की सूचना भी समय से दें।

खाते का नाम- पिघलता हिमालय
बैंक का नाम- बैंक ऑफ इण्डिया
शाखा कार्यालय कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी(नैनीताल)
खाता नं- 705120110000225
IFSC कोड नं- BKID 0007051
(05946)264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014, 9410713075

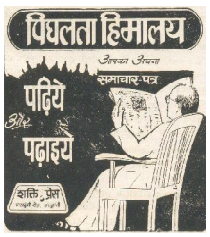

कला संस्कृति विचार राजनीति के साथ ही अपने हिमालय की आवाज ये केवल समचार पत्र नहीं ये है मिशन अपनों के बीच

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

खटीमा, बाजपुर, काशीपुर, जसपुर में गरजी जेसीबी

उत्तराखण्ड प्रदेश में सरकारी भूमि से अतिक्रमण के खिलाफ शासन के निदेर्शों के बाद प्रशासन ने वन व अन्य सरकारी भूमियों पर अभियान चलाया है। खटीमा, बाजपुर, काशीपुर, जसपुर में अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान जेसीबी गरजी और इस दौरान नौंकझौंक भी देखने को मिल रही है। खटीमा में लोहियाहेड रोड में पीलीप्लैक्स फैक्ट्री के निकजट रिजर्व वन भूमि में बनी मजार को जेसीबी से हटाया गया। मण्डी गेट के पास बनाई गई दुकानों को ध्वस्त कर दिया गया।

काशीपुर में भी अभियान जारी है लेकिन विरोध प्रदर्शन करने वालों ने कहा कि धर्मस्थलों को निशाना बनाया जा रहा है। मुफ्ती मुनाजिर हुसैन के नेतृत्व में सीएम को सम्बोधित ज्ञापन प्रेषित किया गया। बाजपुर में कई कब्जे तोड़े गये हैं। ग्राम चकरपुर को जाने वाले डॉ.पाण्डेय रोड पर जेसीबी मशीन के माध्यम से पक्की दुकानों के अतिक्रमण तोड़े गये। बन्नाखेड़ा क्षेत्र में भी कब्जे हटाये गये हैं। जसपुर में भी पुलिस का अभियान चला। यहाँ ग्राम निवारमुंडी में सरकारी भूमि पर हुए अतिक्रमण को हटाने की मांग करने वाले अतिक्रमणकारी आमने-सामने हैं। प्रशासन ने स्पस्ट किया है कि कोई भी अतिक्रमण नहीं बचेगा।

परिक्रमा

अल्मोड़ा में डीडीस के खिलाफ धरना-प्रदर्शन

अल्मोड़ा। जिला विकास प्राधिकरण को समाप्त करने की मांग को लेकर सर्वदलीय समिति का आन्दोलन जारी है। समिति के सदस्यों ने गांधी पार्क में धरना देते हुए सरकार से प्राधिकरण को समाप्त करने की मांग की।

समिति ने कहा कि वह सरकार की तानाशाही को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। वे लम्बे समय से आन्दोलन कर रहे हैं लेकिन उनकी मांग को अनदेखा किया जा रहा है।

मालरोड स्थित गांधी पार्क में आयोजित धरना सभा को सम्बोधित करते हुए समिति के संयोजक पालिका अध्यक्ष प्रकाश जोशी ने कहा कि समिति पिछले र्क सालों से प्राधिकरण के विरोध में संघर्ष कर रही है लेकिन इसके बाद भी सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। जोशी ने कहा कि प्राधिकरण के लागू होने के बाद से लोगों को अपने भवन के नक्शे बनाने के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार अपने इस तुगलकी फरमान को वापास नहीं ले रही है। समिति के सदस्यों ने कहा कि जब तक सरकार प्राधिकरण को पूरी तरह समाप्त नहीं करती तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। धरना देने वालों में हेम तिवारी, आनन्दी वर्मा, ललित मोहन पन्त, मनोज भण्डारी, चन्द्रमणि भट्ट, आनन्द सिंह बगड्वाल, भारतरत्न पाण्डे, प्रत्येश पाण्डे समेत बड़ी संख्या में गणमान्य जन शामिल रहे।

४ जून को दस्तक दे सकता है मानसून

इस बार देश में मानसून के आगमन में थोड़ा बिलम्ब हो सकता है। मौसम विभाग के अनुसार इस बार केरल में दक्षिण पश्चिम मानसून पहुँचने में देरी हो सकती है। केरल में मानसून पहुँचने की तारीख एक जून है और इसमें सात दिनों का उतार चढ़ाव देखने को मिलता है। इस प्रकार 4 जून को मानसून दस्तक दे सकता है। इस साल मानसून के सामान्य रहने का अनुमान है।

गुंजी वन पंचायत में अवैध खनन व कटान रोको

धारचूला/पिथौरागढ़। सन पंचायत में अवैध खनन और पेड़ों का कटान पर रोक लगाने की मांग को लेकर गुंजी के ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट के बाद प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि सेना का कार्य कर रहे ठेकेदारों ने गुंजी में चारागाह और श्मशान क्षेत्र को भी नुकसान पहुँचाया है।

धारचूला से सौ किमी का सफर तय कर जिला मुख्यालय पहुँचे च्यर्यगमा गुंजी सहकारी समिति के पदाधिकारियों और ग्रामीणों ने कहा कि जिस क्षेत्र में खनन और पेड़ों का कटान हो रहा है वह भूमि गुंजी गाँव की चारागाह और श्मशान की भूमि है। इसी भूमि पर हर साल व्यास मेला और 12 साल में होने वाला जुमली ह्या अनुष्ठान का आयोजन होता है। उन्होंने कहा कि इस जमीन पर जो भी कार्य हो रहे हैं उनको तत्काल रोका जाए। उच्च हिमालयी क्षेत्र पहले से ही सम्बेदनशील है। यहाँ पर खोदान और पेड़ कटान से पर्यावरण को नुकसान पहुँचेगा।

ग्रामीणों ने इस सम्बन्ध में एसडीएम फिंचाराम चौहान को ज्ञापन भी सौंपा। शिष्टमण्डल में के.एस.गुंज्याल, पान सिंह गुंज्याल, उमेर सिंह, हरी, मधु, भगवान सिंह, किरण गुंज्याल, बीना गुंज्याल, मंजू आदि शामि थे।

गुंजी वासियों ने डीएम को भी ज्ञापन देते हुए कहा कि उनकी खेतीयुक्त भूमि में राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण नहीं हो। बीआर ने उनकी खेतीयुक्त जमीन पहले ही अधिगृहीत कर ली है। इससे कई ग्रामीण भूमिहीन हो गये हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि सड़क निर्माण खेतीयुक्त जमीन से करने के बजाय गब्र्याँग से खंल होते हुए मनीला (गुंजी) से कालापानी तक किया जा सकता है। धारचूला में ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान सुरेश सिंह गुंज्याल के नेतृत्व में प्रदर्शन किया।

रेलवे भूमि से अवैध कब्जे हटे और प्रदर्शन

नैनीताल। हाईकोर्ट ने लालकुआ क्षेत्र अन्तर्गत नगीना कलोनी में रेलवे की भूमि पर करीब चार हजार लोगों के अवैध कब्जे सम्बन्धी मामले में सुनवाई करते हुए हटाने को कहा, जिसके बाद से हड़कम्प मच गया। भारी संख्या में पुलिस बल के साथ अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। इस दौरान नगीना कालोनी के लोगों ने विरोध प्रदर्शन भी किया।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विपिन सांघी व न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खण्डपीठ ने कब्जाधारियों की याचिका को खारिज करते हुए अवैध कब्जा हटाने के आदेश रेलवे को दिये थे। नगीना लालकुआ निवासी आंचल कुमार व चार अन्य ने याचिका दायर कर कहा कि रेलवे ने उन्हें तीन मई को अवैध कब्जा हटाने का नोटिस दिया, इसकी अन्तिम तिथि 18 मई है, इस पर रोक लगाई जाए। सुनवाई के दौरान रेलवे के अधिवक्ता राजीव शर्मा ने कोर्ट को बताया कि 2018 में राज्य सरकार व रेलवे ने इस भूमि की एक साथ जाँच शुरू की थी। तब 84 अवैध अतिक्रमण पाए गए। इसके बाद रेलवे ने कई बार जाँच की। वर्तमान में करीब चार हजार लोगों ने टिनशेड बनाकर रेलवे की भूमि पर अतिक्रमण किया हुआ है। इनके हटाने के लिए रेलवे ने दस दिन का समय दिया है।

अतिक्रमण हटाने के फैसले के बाद अधिकांश अपने आशियाने से सामान समेटने लगे थे। रेलवे द्वारा चार जेसीबी लगाई गई और ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरु कर दी। प्रदर्शनकारियों के साथ राजनैतिक दलों के नेता भी जुटे, जिन्हें बल प्रयोग कर हटाया गया।

बिजरानी रेंट में मजार ध्वस्त

रामनगर। कार्बेट नेशनल पार्क के बिजरानी रेंज में स्थित मजार को धारणाधिकार की पुष्टि न होने पर जेसीबी से ध्वस्त कर दिया गया। करीब 120 साल पुरानी इस मजार पर हिन्दू-मुस्लिम परिवार मन्नत मांगने जाते थे। थपली बाबा की मजार पर उर्स भी होना था लेकिन सारी तैयारियां धरी रह गई।

बदरीनाथ-मारवाड़ी बाईपास निर्माण पर रोक हटी

चमोली। जोशीमठ में बदरीनाथ यात्रा और सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हेलंग-मारवाड़ी बाईपास का निर्माण शीघ्र शुरु होगा। शासन ने बाईपास निर्माण पर लगी रोक हटाते हुए चमोली जिला प्रशासन को काम शुरू कराने की सशर्त अनुमति दी है। इस सम्बन्ध में सचिव आपदा प्रबन्ध डॉ.रंजीत सिन्हा की ओर से आदेश जारी किए किए गए हैं। जोशीमठ में भूधंसाव होने के कारण हेलंग-मारवाड़ी बाईपास का निर्माण कार्य 5 जनवरी को रोक दिया गया था। तभी से बाईपास के निर्माण को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। इस सम्बन्ध में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की ओर से बाईपास का निर्माण शीघ्र शुरू कराने की अनुमति देने का अनुरोध शासन से किया गया था। शासन की ओर से बाईपास निर्माण शुरू कराने के लिए आईआईटी रुड़की, लोनिवि और टीएचडीसीआईएल के विशेषज्ञों से सर्वेक्षण कर रिपोर्ट देने को कहा गया था। तीनों संस्थानों के विशेषज्ञों की ओर से 11 अप्रैल को अपनी रिपोर्ट का हवाला देते हुए बीआरओ शिवालिक रेंज के मुख्य अभियन्ता ब्रिगेडियर प्रसन्ना एन जोशी की ओर से बाईपास का निर्माण शीघ्र शुरू कराने का अनुरोध किया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि जोशीमठ भूधंसाव का हेलंग मारवाड़ी बाईपास के निर्माण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसके बाद सचिव आपदा प्रबन्धन डॉ. रंजीत सिन्हा की ओर से इस सम्बन्ध में आयुक्त गढ़वाल मण्डल, जिला प्रशासन और बीआरओ को पत्र लिखकर बाईपास निर्माण की सशर्त मंजूरी दे दी गई।

अवैध कालोनियां ध्वस्त होंगी

हल्द्वानी। गौलापार या हल्द्वानी में जगह जगह अवैध कालोनियां बनाई जा रही हैं। यदि इनके मालिक जिला विकास प्राधिकरण से जारी नोटिस नहीं हैं तो इन्हें नोटिस तामिल करवाया जायेगा। नहीं मानने पर एक पक्षीय फैसला देते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह ने कहा है कि किसी भी नई कालोनी में प्लाट खरीदने से पहले उक्त कॉलोनी की वैधता जाँच लें। अवैध होने पर नक्शा पास करने की मंजूरी नहीं मिलती है।

जमरानी बांध विस्थापितों को प्राग फार्म में जमीन

हल्द्वानी। रानीबाग में बनने वाली जमरानी बांध बहुउद्देशीय परियोगजना के तहत विस्थापित होने वाले परिवारों के लिये 300 एकड़ भूमि का प्रस्ताव को सरकार ने मंजूरी दी। प्रभावितों को प्राग फार्म में पुनर्वास के लिए गडरियाबाग की 300 एकड़ जमीन सिंचाई विभाग की हस्तान्तरित करने की राज्य कैबिनेट से मंजूरी के बाद अब टाउन प्लानिंग का कार्य शुरु हो सकेगा। बताया जा रहा है कि प्राग फार्म में 75 करोड़ की लागत से मूलभूत सुविधाओं का विकास किया जायेगा।

उधमसिंह नगर के प्राग फार्म में 1323 विस्थापित परिवारों को बसाया जाना है। प्रथम श्रेणी में 209 परिवारों को पुनर्वास स्थल पर एक एकड़ कृषि भूमि और 200 वर्ग मीटर का आवासीय भूखण्ड दिया जायेगा। अगली श्रेणी में 205 प्रभावित परिवारों को पुनर्वास स्थल पर 50 वर्ग मीटर के भूखण्ड पर प्रधान मंत्री आवास योजना के तहत आवास मिल सकेगा। प्रभावितों के लिए पुनर्वास स्थल पर ढांचागत सुविधाओं का विकास किया जाना है। प्राग फार्म 30 फीट सड़क, इण्टरमीडिएट तक स्कूल, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सीवर लाइन, बिजली, पानी, पार्क, खेल मैदान, पशु चिकित्सालय आदि सुविधाओं का विकास होना है।

डीजीएम जमरानी परियोजना इकाई ललित कुमार ने बताया है कि इसके लिये मास्टर प्लान तैयार किया जायेगा।

विवेकानन्द की विरासत गोद लेंगे

चम्पावत। स्वामी विवेकानन्द की विरासत से जुड़े दियूरी गाँव को मायावती अद्वैत आरम गोद लेगा। इसके लिये पर्यटन विभाग ने आश्रम को प्रस्ताव भेजा है। अभी आश्रम की ओर से अन्तिम निर्णय लिया जाना है।

130 साल पहले 1893 में शिकागो के धर्म सम्मेलन से पूरी दुनिया में आध्यात्मिक पताका फैलाने वाले स्वामी जी का चम्पावत से 25 किमी दूर दियूरी से गहरा वास्ता रहा है। यहाँ के डाक बंगले में रुके थे, जिसे विवेकानन्द ध्यान केन्द्र के रूप में विकसित किया गया है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

घटिया डामरीकरण पर भड़के ग्रामीण

अल्मोड़ा। हवालबाग विकासखण्ड के ग्राम पत्थरकोट में गाँव को जोड़ने वाली सड़क में घटिया डामरीकरण होने से ग्रामीणों में आक्रोश है। नाराज लोगों ने ठेकेदार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए लापरवाही न करने को कहाह है।

सूर्य मन्दिर का जीर्णोद्धार

लोहाघाट। गुमदेश के मड़ पसौली स्थित प्रसिद्ध सूर्य मन्दिर के जीर्णोद्धार का कार्य जारी है। कला एवं संस्कृति विभाग से इसके जीर्णोद्धार के लिये आठ लाख रुपये स्वीकृति मिलने के बाद यह कार्य चल रहा है। बताते चलें कि करीब दो हजार वर्ष पूर्व कत्यूरी शासन काल में देवलकोट मड़पसौली में बना यह पुराना मन्दिर उत्तर दिशा की ओर झुक गया था।

अवैध खनन मामले में ६जून को सुनवाई

बागेश्वर। कपकोट तहसील में अवैध रूप से किये जा रहे खड़िया खनन के मामले में अगली सुनवाई हाईकोर्ट में 6 जून को होगी। मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी एवं न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खण्डपीठ के समक्ष सुनाई में बागेश्वर निवासी हीरा सिंह पपोला ने जलहित याचिका दायर कर कहा कि कपकोट के रीमाघाटी, गुलामप्रगड़, भीयूं गाँव में पट्टे दिये गये हैं लेकिन माफिया ज्यादा खनन कर रहे हैं।

कैंट सीईओ से मिले व्यापारी, रखी मांग

रानीखेत। नगर में क्षतिग्रस्त पड़े आशियाना पार्क के जीर्णोद्धार और पिंक टायलेट निर्माण की मांग को लेकर व्यापार मण्डल ने छावनी परिषद के मुख्य अधिशासी अधिकारी से भेंट की। इस दौरान उन्होंने डीएम से वार्ता में उठे विन्दुओं से अवगत कराया। सीईओ ने बताया कि उक्त दोनों मामलों में कार्रवाई कर दी गई है। पार्क के डीपीआर की कार्रवाई जिला प्रशासन के साथ मिलकर की जा रही है।

बागेश्वर उपचुनाव

भाजपा-कांग्रेस में नामों की सुगबुगाहट

बागेश्वर। कैबिनेट मंत्री और विधायक चन्दन राम दास के निधन से रिक्त हुई बागेश्वर विधानसभा सीट पर उपचुनाव की सरगर्मियां हैं। इसके लिये भाजपा-कांग्रेस में नामों की चर्चा होने लगी है। इस सुगबुगाहट में कांग्रेस के रंजीत दास को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भाजपा की ओर से स्व.चन्दन दास की पत्नी तुलसी देवी को टिकट की बात चल रही है लेकिन इस सीट पर भाजपा के अन्य नेता भी अपनी जुगत में हैं। चन्दनराम दास लगातार चार बार से चुनाव जीतते हुए इस सीट पर अजेय थे लेकिन पार्टी ने नेता के रूप में दूसरा विकल्प नहीं बना सका। सत्ता और बड़ी पार्टी होने का दम भाजपा के पास है लेकिन कांग्रेस इस सीट के लिये लम्बे समय से मचल रही है और रंजीत दास इसके मजबूत दावेदार हैं। गत चुनावों में इस सीट पर बालकृष्ण टम्टा, रंजीत दास, भैरव नाथ टम्टा ने टिकट की दावेदारी की थी परन्तु रंजीत दास को पार्टी ने टिकट दिया था। जिसके बाद बालकृष्ण व भैरवनाथ ने निर्दलीय चुनाव लड़ते हुए पार्टी को नुकसान पहुँचाया था और उन्हें कांग्रेस ने निष्कासित कर दिया। ऐसे में कांग्रेस की ओर से रंजीत दास ही प्रत्याशी के रूप में माने जा रहे हैं।

चन्दनराम दास के बाद बागेश्वर की इस सीट पर जनता कर रुख क्या होगा यह आने वाले दिनों में पता चलेगा फिलहाल भाजपा-कांग्रेस अपना माहौल बनाने में जुट गए हैं।

मल्ला जोहार विकास समिति ने उठाई आवाज

धापा-मिलम मार्ग पर मरम्मत कार्य सुस्त होने से आवाजाही में दिक्कत

मुनस्यारी। मल्ला जोहार विकास समिति ने फिर से सीमान्त क्षेत्र की समस्याओं को लेकर शासन प्रशासन से अपील की है कि सुस्ती से चल रहे कार्यों की समीक्षा हो और जनहित में त्वरित निर्णय लेते हुए जिम्मेदारी तय हो।

समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू ने थापा-मिलम मार्ग का मामला उठाते हुए कहा कि थापा से मिलम के लिये बन रही सड़क पर जिमीघाट में सीमा सड़क संगठन द्वारा जनवरी से पुल खोलकर आवाजाही नदी से होकर है, अद्यतन पुल मरम्मत कार्य भी नहीं हो रहा है। ऐसे में आवागमन करने वाले जान हथेली में लेकर आ-जा रहे हैं। श्री पांगती ने प्रशासन से इस मार्ग व पुल कार्य को शीघ्र पूरा करवाने की मांग की है।

समिति का कहना है कि सीमान्त की आवाज कोई नहीं सुन रहा है। इसी मार्ग और पुल

को लेकर बड़े अधिकारी कितनी बार दौड़ कर चुके हैं? विभाग कहता है कि स्टीमेट प्रस्ताव शासन के पास गया है। पता नहीं किस मेज पर उनका प्रस्ताव है। चार वर्ष बीत चुके हैं हर बार आपदा के की फाइलें एकदम पास होकर आ रही हैं। यह बदकिस्मती ही है कि पुल तो है पर पुल में जाने का रास्ता नहीं। यदि यह सड़क जुड़ जाती तो आवागमन सुगम हो जाता। इसे बारे में आयुक्त, डीएम, एसडीएम, तहसीलदार, मुख्य अभियन्ता लोनिवि डीडीहाट, मंत्री लोनिवि सतपाल महाराज, मुख्य सचिव, सांसद, विधायक सबको सूचित किया जा चुका है।

समिति ने इस बात पर भी आश्चर्य व्यक्त किया है कि मल्ला जोहार के 13 राजस्व गाँवों के लिये किसी निधि से धनराशि स्वीकृति नहीं हुई है।

६ डिग्री तक झुक गया तुंगनाथ मन्दिर

रुद्रप्रयाग। प्रसिद्ध तुंगनाथ मन्दिर का ढांचा धीरे-धीरे झुक रहा है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के अनुसार मन्दिर में 6 डिग्री जबकि इसकी मूर्तियों में 10 डिग्री का झुकाव आया है। 12 हजार 800 फीट की ऊँचाई पर स्थित यह मन्दिर दुनिया का सबसे ऊँचाई पर बना शिव मन्दिर है। मन्दिर के झुकने की सूचना एएसआई ने केन्द्र सरकार को दे दी है।

डॉ.अग्रवाल गोल्डी को कलेक्टर अवार्ड

हल्द्वानी। उ.प्र.वर्ल्ड रिकार्ड आर्गेनाइजेशन ने डॉ. प्रमोद अग्रवाल 'गोल्डी' को इन्टरनेशनल म्यूजियम डे के अवसर पर उनके अद्वितीय संग्रह के लिये इन्टरनेशनल कलेक्टर अवार्ड 2023 प्रदान किया है।

आर्गेनाइजेशन के सम्पादक पी.के. गुप्ता एवं सीईओ आयुष गुप्ता ने बताया कि डॉ.प्रमोद अग्रवाल गोल्डी का क्वाइन कलेक्शन इंडियन एण्ड फॉरेन कन्ट्री के नोट कलेक्शन, वीआईपी के ऑटोग्राफ एवं फोटोग्राफ संग्रह लेटर टू एडिटर कलेक्शन के साथ ही सामाजिक क्षेत्र में 38 बार स्वैच्छिक रक्तदान पर उन्हें यह अवार्ड दिया गया है।

जीएसटी सर्वे अभियान का विरोध

हल्द्वानी। जीएसटी विभग के सर्वे अभियान से व्यापारियों में रोष है। उन्होंने विभाग पर तानाशाही का आरोप लगाते हुए इसे मोबाइल विंग की नाकामी बताया। उन्होंने व्यापारियों का उत्पीड़न होने पर आन्दोलन की चेतावनी दी।

प्रान्तीय नगर उद्योग व्यापार मण्डल के महानगर अध्यक्ष राजीव अग्रवाल व प्रदेश संगठन प्रभारी वीरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि सर्वे से बाजार में असमंजस की स्थिति हो जाती है। पूर्व में जीएसटी विभाग की तानाशाही के चलते व्यापार मण्डल के सख्त विरोध के बाद सरकार ने सर्वे अभियान बन्द कराया था। प्रान्तीय उद्योग व्यापार मण्डल के केन्द्रीय अध्यक्ष नवीन वर्मा ने भी सर्वे अभियान को तानाशाही बताया है।

बच्चों की पाँच दिवसीय लेखन कार्यशाला सम्पन्न

कविता, हस्तलिखित कविताएं, पत्रिका, नुक्कड़ नाटक में दिखी प्रतिभाएं

अल्मोड़ा। गैर शैक्षणिक गतिविधियों से बच्चे काफी कुछ सीखते हैं। पाठ्यक्रम से इतर पुस्तकें बच्चों का दिमाग खोलने में सहायक होती हैं। बच्चों की पत्रिका बालप्रहरी, बालसाहित्य संस्थान तथा भारत ज्ञान विज्ञान समिति अल्मोड़ा के संयुक्त तत्वावधान में सेंट एग्नेस जूनियर हाईस्कूल हीराडूंगरी में आयोजित बच्चों की लेखन कार्यशाला के समापन अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. निर्मल जोशी ने ये बात कही। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम से बाहर की पुस्तकों से बच्चों का मनोरंजन होने के साथ ही कुछ नया सीखने की ललक बच्चों के अन्दर रहती है। उन्होंने बच्चों को बचपन से शुद्ध लेखन पर अभ्यास कराए जाने की जरूरत है। अल्मोड़ा मैग्नेसाइड के पूर्व एम डी पी.एस.रावत ने कहा कि बच्चों ने जिस आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रस्तुति दी है। इससे लगता है कि बच्चों के अन्दर प्रतिभा है बस उन्हें अवसर दिए जाने की जरूरत है। इस अवसर पर आयोजित बाल कवि सम्मेलन में साक्षी, दीक्षा चन्द्रा, हिमांशी, कशिश भारती, काजल तिवारी अभिनव पाण्डे, मेसाना बि, सागर आर्या, भावना आर्या,मनीषा, हर्षिता रावत, कोमल बिष्ट आदि ने 'बालप्रहरी', अल्मोड़ा की बाल मिठाई, मेरा स्कूल, हमारी मैम, फौजी, पर्यावरण, स्वच्छता अभियान, मोबाइल, बादल आदि पर स्वरचित कविताओं का पाठ किया। बाल कवि सम्मेलन का संचालन कक्षा 7 की छात्रा भावना आर्या तथा अध्यक्षता मनीशा ने की। इस अवसर पर प्रेमा कड़ाकोटी द्वारा सम्पादित हस्तलिखित पत्रिका 'सेंट ऐग्नेस दर्पण' का लोकार्पण अतिथियों द्वारा किया गया। 47 बच्चों द्वारा बाल प्रहरी, बाल मन, मेरी जिज्ञासा, मेरी कहानी, बाल भारती, बाल स्वर आदि नामों से तैयार हस्तलिखित पुस्तकों की प्रदर्शनी विषेश आकर्षण का केन्द्र रही।

उदय किरौला द्वारा लिखित नुक्कड़ नाटक 'मोबाइल टन टना टन टन ' में बच्चों ने वर्तमान में चल रही मोबाइल संस्कृति पर व्यंग्य किया। सुत्रधार बतौर अभिनव पाण्डे ने नाटक में रंग जमा दिया। बच्चों के दो अन्य समूहों ने 'ज्ञान का दीया जलाने' तथा 'मैं तुमको विश्वास दूं' समूह गीत प्रस्तुत किए। बालप्रहरी संपादक उदय किरौला ने बच्चों को कहानी सुनाई ।

समारोह के प्रारम्भ में अतिथियों ने सारे प्रतिभागी बच्चों को बैज लगाकर सम्मानित किया। औरेगैमी के तहत अखबार से बने मुकुट बच्चों ने अतिथियों को पहिनाए। प्रकाश मेडिकल स्टोर अल्मोड़ा के सौजन्य से सभी बच्चों को प्रमाण पत्र दिए गए। पुरस्कार में सभी बच्चों को साहित्यकार कुमुद वर्मा की पुस्तक 'हम तो बच्चे हैं' उपहार में दी गई। समारोह को अध्यक्षता कर रही सेंट एग्नेस जूनियर हाईस्कूल की प्रधानाचार्या वी.पी.पीटर, भारत ज्ञान विज्ञान समिति के प्रान्तीय कोषाध्यक्ष प्रमोद तिवारी, बालसाहित्य संस्थान के उपाध्यक्ष नीरज पन्त, उदय किरौला, प्रेमा कड़ाकोटी, डा. चन्द्रकला वर्मा, डा. मंजू जोशी आदि ने भी सम्बोधित किया। समूचे समारोह का संचालन कक्षा 8 की छात्रा हिमांशी आर्या ने किया। इस अवसर पर पार्वती रावत, शिवदत्त पाण्डे, भारती साह, उमा मेहता, उमा भाकुनी, नेहा भाकुनी, लीला बिष्ट, दीपा खड़का, गिरीश जोशी, कविता सुप्याल, तारादेवी बोरा, सोनिया चन्द्रा, आदि उपस्थित थे। इससे पहले प्रात:कालीन सत्र में भारत ज्ञान विज्ञान समिति के प्रमोद तिवारी, बालसाहित्य संस्थान के नीरज पन्त, सेंट ऐग्नेस जूनियर हाईस्कूल की प्रेमा कड़ाकोटी, भारती साह आदि ने बच्चों के साथ खेल गतिविधियां कराई।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

ग्रीष्मकालीन पर्यटन, धार्मिक यात्रा सीजन में हार्दिक शुभकामनाएं-

एस.एस. जंगपांगी

सेनि. उपमहाप्रबन्धक दूरसंचार
जोहार नगर
भोटिया पड़ाव
हल्द्वानी

कवीन्द्र सिंह पांगती

नन्दा होम्स
कमलुवागांजा रोड,
कुसुमखेड़ा
हल्द्वानी

होटल माँ नन्दादेवी
एण्ड बारात घर
नानासेम, मुनस्यारी

गणेश सिंह मर्तोलिया
एण्ड सन्स
मुनस्यारी

हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल
एवं जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

Hotel Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi
Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

सप्ताह के पर्व

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष
30 मई- श्री गंगा दशहरा
31 मई- निर्जला एकादशी व्रत
4 जून- ज्येष्ठ पूर्णिमा
5 जून- गुरु हरगोविन्द जयन्ती

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती
फोन/फैक्सः (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014, 9410713075,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com
पत्र व्यवहार के लिये पते-
जे0के0पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)